

जिला-पटना  
न्यायालय, जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश-प्रथम, बाढ़  
उपस्थिति - श्री राजकुमार चौधरी  
जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश-प्रथम, बाढ़  
बाढ़, 19 वीं मार्च 2026 ई०  
सत्रवाद संख्या 462/2019

सरजहॉन खातुन (सूचिका) -----अभियोजन  
बनाम्

- |                              |                                 |                   |
|------------------------------|---------------------------------|-------------------|
| 1. मो० सद्दाम                | पिता - मो० सहाब उर्फ शहाबुद्दीन | उम्र लगभग 26 वर्ष |
| 2. मो० फिरदौस उर्फ मो० लल्लू | पिता - स्व० ग्यास मियां         | उम्र लगभग 29 वर्ष |
| 3. अनिल शर्मा                | पिता - श्री मोहन शर्मा          | उम्र लगभग 35 वर्ष |

निवासी ग्राम- अहिजन, थाना - अथमलगोला, जिला- पटना-----अभियुक्तगण।

आरोप अंतर्गत धारा :- 364/34, 120B, 302/34, 201/34 भा०द०वि०

अभियुक्तगण की ओर से विद्वान अधिवक्ता-

श्री संजय कुमार

श्री शैलेन्द्र कुमार सिंह

बिहार सरकार की ओर से विद्वान अपर लोक अभियोजक -

श्री रामबालक प्रसाद

.....निर्णय.....

1. उपरोक्त अभियुक्तगण 1. मो० सद्दाम, 2. मो० फिरदौस उर्फ मो० लल्लू एवं 3. अनिल शर्मा के विरुद्ध धारा 364/34, 120B, 302/34, 201/34 भा०द०वि० के अंतर्गत आरोप गठित कर आरोप का सारांश सुनाया गया, जिसे वे सुनकर घटना से इंकार किये और विचारण का दावा किये।

2. अभियोजन का वाद संक्षेप में यह है कि इस वाद की सूचिका सरजहॉन खातुन हैं, जो अपना लिखित आवेदन थानाध्यक्ष अथमलगोला को दी है, जिसमें इनका कथन है कि दिनांक 26.12.2018 को समय करीब 02 बजे दिन में सूचिका का पुत्र मो० जसीम बख्खों को गांव के ही मो० सद्दाम, मो० लल्लू, मो० इरफान, एवं अनिल शर्मा बुलाकर ले गया, जो आज तक घर वापस नहीं आया। जब सूचिका उनलोगों के घर जाकर पूछी तो उनके द्वारा बताया गया कि इनके पुत्र मो० जसीम बख्खों को बख्तियारपुर हाट पर छोड़ दिया था। सूचिका के द्वारा काफी पूछताछ करने पर भी उनलोगों के द्वारा इनके पुत्र के पता के बारे में नहीं बतलाया। अनिल शर्मा के पिता मोहन शर्मा बराबर इनके घर पर आकर पूर्व में भी धमकी देता था कि तुम्हारे बेटा को मरवा देंगे। सूचिका को पूर्ण यकीन है कि चारो लड़का एवं मोहन शर्मा बहला-फुसलाकर इनके पुत्र को कहीं रखे हुये है या हत्या कर दिया है।

3. सूचिका के लिखित आवेदन के आधार पर अथमलगोला थाना काण्ड संख्या-338/2018, दिनांक 27.12.2018 को धारा 364/34 भा०द०वि० में कुल 05 अभियुक्तगण 01. मो० सददाम, 02. मो० लल्लू, 03. मो० ईरफान, 04. अनिल शर्मा एवं 05. मोहन शर्मा के विरुद्ध दर्ज किया गया तथा अनुसंधान के बाद अनुसंधान पूर्ण करते हुये आरोप पत्र संख्या 35/2019 दिनांक 24.03.2019 अभियुक्त 1. मो० सददाम, 2. मो० फिरदौस उर्फ लल्लू एवं 3. अनिल शर्मा के विरुद्ध धारा 364, 302, 324, 436, 201, 120B, 34 भा०द०वि० में घटना को सत्य पाकर समर्पित किया गया तथा विद्वान अनुमंडल न्यायिक दण्डाधिकारी, बाढ़ के द्वारा उपरोक्त धारा के अंतर्गत अभियुक्तगण के विरुद्ध संज्ञान लिया गया।

4. अभियुक्तगण के वाद को विद्वान अनुमंडल न्यायिक दण्डाधिकारी, बाढ़ के द्वारा दौरा सुपुर्द कर माननीय प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश, पटना के यहां भेजा गया तथा श्रीमान् प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश, पटना के द्वारा इस वाद को विचारण हेतु इस न्यायालय में दिनांक 24.04.2019 को भेजा गया है, जिसका विचारण किया गया।

5. अभियोजन की ओर से इस वाद में कुल 04 साक्षियों में से साक्षी संख्या- 01 मो० साहेब, साक्षी संख्या -02 मो० हैदर, साक्षी संख्या- 03 कैसर, एवं साक्षी संख्या- 04 सुचिका सरजहॉन खातुन को प्रस्तुत किया गया है।

6. अभियुक्तगण का धारा 313 द०प्र०सं० के अंतर्गत बयान लिया गया है, जिसमें वे घटना से इंकार किये और अपने को निर्दोष बतलाये तथा कहे कि ये निर्दोष हैं।

7. अब मुख्य विचारणीय प्रश्न यह है कि क्या अभियोजन अभियुक्तगण के विरुद्ध लगाये गये आरोपों को संदेह के परे सिद्ध करने में सफल हुए हैं अथवा नहीं?

### मंतव्य

8. अभियोजन की ओर से इस वाद में कुल 04 साक्षियों में से साक्षी संख्या- 01 मो० साहेब, साक्षी संख्या -02 मो० हैदर, साक्षी संख्या- 03 कैसर, एवं साक्षी संख्या- 04 सुचिका सरजहॉन खातुन का साक्ष्य न्यायालय के समक्ष कराया है।

अभियोजन की ओर से दस्तावेजी साक्ष्य के रूप में कोई प्रदर्श अंकित नहीं कराया है।

9. बचाव पक्ष की ओर से कोई मौखिक या दस्तावेजी साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किया गया है।

10. अभियोजन की ओर से प्रस्तुत किये गये साक्षी संख्या 04 सूचिका सरजहॉन खातुन है, जिनके लिखित आवेदन के आधार पर यह कांड दर्ज किया गया है, जो इस कांड की सूचिका है। ये अपने साक्ष्य में कही है कि मो० जसीम बख्खों इनका बेटा था, जो करीब 7 साल पहले अकेले बकरी खरीदने के लिये बख्तियारपुर हाट गया था, लेकिन इनका बेटा आज तक घर वापस नहीं आया। ये अथमलगोला थाना में केश की थी और सादा कागज पर टिप्पा दी थी, उस पर क्या लिखा गया, इन्हें जानकारी नहीं है। साक्षी पुलिस के समक्ष पुनः बयान देने की बात से इंकार की

है। साक्षी को अभियोजन के अनुरोध पर पक्षद्रोही घोषित किया गया तथा पुलिस के समक्ष दिये गये बयान की ओर ध्यान आकृष्ट किया गया, जिसे सुनकर साक्षी इंकार की है। साक्षी अपने प्रतिपरीक्षण में कही है कि अभियुक्त मो० ईरफान को ग्रामीण होने के नाते पहचान की है, इसका इस घटना में कोई हाथ नहीं है। ये राजी खुशी से एवं बिना दबाव के साक्ष्य देने के बारे में बताये है।

11. अभियोजन साक्षी संख्या- 01 मो० साहेब हैं, इन्होंने अपने बयान में कहा है कि घटना पौने तीन साल पहले की है। इनका भाई मो० जसीम बकरी बेचना गया था, वही पर वह मारा गया, इनके भाई को कौन मारा, इन्हें जानकारी नहीं है। साक्षी पुलिस के समक्ष बयान देने की बात से इंकार किया है। साक्षी को अभियोजन के अनुरोध पर पक्षद्रोही घोषित किया गया तथा पुलिस के समक्ष दिये गये बयान की ओर ध्यान आकृष्ट किया गया, जिसे सुनकर साक्षी इंकार किया है। साक्षी अपने प्रतिपरीक्षण में कहा है कि स्वेच्छा से गवाही दिया है तथा अभियुक्तगण का पहचान ग्रामीण होने के नाते किये है।

12. अभियोजन साक्षी संख्या- 02 मो० हैदर हैं, इन्होंने अपने बयान में कहा है कि घटना तीन साल पहले की है। इनका छोटा भाई मृतक मो० जसीम बकरी-पठरू बेचने हेतु बख्तियारपुर हाट गया था। उसके साथ कोई नहीं गया था। इनका भाई मो० जसीम वापस घर नहीं आया। ये लोग अपने भाई का काफी खोजबीन किया, परन्तु उसका पता नहीं चला। साक्षी पुलिस के समक्ष बयान देने की बात से इंकार किये है। साक्षी को अभियोजन के अनुरोध पर पक्षद्रोही घोषित किया गया तथा पुलिस के समक्ष दिये गये बयान की ओर ध्यान आकृष्ट किया गया, जिसे सुनकर साक्षी इंकार किया है। साक्षी ने अपने प्रतिपरीक्षण में कहा है कि स्वेच्छा से गवाही दिया है। अभियुक्तगण को ग्रामीण होने के नाते पहचान किये है।

13. अभियोजन साक्षी संख्या- 03 मो० कैसर हैं, इन्होंने अपने बयान में कहा है कि मृतक मो० जसीम इनका भाई था। इनका भाई बकरी-पठरू खरीदता था। मृतक मो० जसीम कैसे मरा, इन्हें जानकारी नहीं है। साक्षी पुलिस के समक्ष बयान देने की बात से इंकार किये है। साक्षी को अभियोजन के अनुरोध पर पक्षद्रोही घोषित किया गया तथा पुलिस के समक्ष दिये गये बयान की ओर ध्यान आकृष्ट किया गया, जिसे सुनकर साक्षी इंकार किया है। साक्षी अपने प्रतिपरीक्षण में कहा है कि स्वेच्छा से गवाही दिया है तथा अभियुक्तगण को ग्रामीण होने के नाते पहचान किये है।

14. इस तरह उपरोक्त तथ्यों, परिस्थितियों एवं अभिलेख पर उपलब्ध मौखिक साक्ष्य के विवेचन के बाद मैं पाता हूँ कि अभियोजन के द्वारा प्रस्तुत साक्षियों में साक्षी संख्या 04 सूचिका सरजहाँन खातुन है, जिसके लिखित आवेदन के आधार पर यह मुकदमा कायम हुआ है, सूचिका अपने बयान में कही है कि ये केश करने के लिये अथमलगोला थाना गयी थी और वहां पर सादा कागज पर टिप्पा दी थी, उस पर क्या लिखा गया, ये नहीं पढ़ी। मो० जसीम बख्खों इनका बेटा था। जो अकेले करीब 7 साल पहले बकरी खरीदने के लिये बख्तियारपुर हाट गया था, लेकिन वह लौट कर घर नहीं आया। अभियोजन कथन का समर्थन नहीं करने के कारण साक्षी को पक्षद्रोही घोषित किया गया। साक्षी अपने प्रतिपरीक्षण में स्वेच्छा से गवाही देने की बात बतायी है

तथा अभियुक्त को ग्रामीण होने के नाते पहचान की है। अन्य अभियोजन साक्षी मो० साहेब, मो० हैदर एवं मो० कैसर मृतक मो० जसीम का भाई है, सभी साक्षियों को घटना की जानकारी नहीं है, इनके भाई की मृत्यु कैसे हुई या किन लोगों ने उसका हत्या किया है, इस विषय में इन्हें कोई जानकारी नहीं है, अभियोजन कथन का समर्थन नहीं करने के कारण सूचिका सहित अन्य सभी साक्षियों को पक्षद्रोही घोषित किया है। अभियोजन ने अपने वाद के समर्थन में अनुसंधानकर्ता एवं चिकिसक का साक्ष्य नहीं करा पाये है और न ही किसी दस्तावेज को साबित कर सके है।

इस तरह उपरोक्त साक्ष्य के विवेचन के बाद मैं इस निष्कर्ष पर पहुंचता हूँ कि अभियोजन ने जो आरोप अभियुक्तगण के विरुद्ध लगाया है उसे संदेह के परे साबित करने में असफल रहे हैं, जिसके कारण अभियुक्तगण को संदेह का लाभ मिल गया है तथा वे निर्दोष साबित होते हैं।

### आदेश

15. तदनुसार इस वाद के अभियुक्त 1. मो० सद्दाम, 2. मो० फिरदौस उर्फ मो० लल्लू एवं 3. अनिल शर्मा को धारा 364/34, 120B, 302/34, 201/34 भा०द०वि० के आरोप से पर्याप्त साक्ष्य के अभाव में संदेह का लाभ देते हुये दोषमुक्त करता हूँ तथा उनके सभी जमानतदारों को बंधपत्र के समस्त दायित्वों से उन्मुक्त करता हूँ।

जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश-प्रथम,  
बाढ़

16. यह निर्णय खुले न्यायालय में उद्घोषित, संशोधित एवं हस्ताक्षरित किया गया।

जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश-प्रथम,  
बाढ़